हिन्दी साप्ताहिक

RNI No. UPHIN/2011/43668

WWW.JANVEENA.COM

जनवीणा

स्वर जन-मन का...

वर्ष : 12 | अंक : 37 | लखनऊ, 07 सितम्बर, 2023 | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रूपये

मखमली सिंहासन होगा...जर्मन सिल्वर के झूले में झूलेंगे लड्डू गोपाल, उत्सव मनाने को तैयार लोग

आगरा। आगरा में कान्हा के लिए मखमली सिंहासन होगा। लड्डू गोपाल जर्मन सिल्वर के झूले में झूलेंगे। उत्सव मनाने को लोग पूरी तरह तैयार हैं। बाजार में सामान की खरीदारी करने वालों की भीड़ लगी हुई है।

ताजनगरी आगरा में कान्हा के लिए बाजार में एक से बढ़कर एक पोशाक और सामान हैं। मखमली सिंहासन, तकिया, बिस्तर, पलंग, सोफा है।

प्रसिद्ध गायक बादशाह के नाम पर बादशाह वाला चश्मा है। गर्मी से बचाने के लिए कूलर हैं। जर्मन सिल्वर का बना झूला है। डस्ट मार्बल के लड्डू गोपाल भी देखने को मिले।

अपने लड्डू गोपाल को कुछ अलग दिखाने के लिए श्रद्धालु लुहार गली, मनकामेश्वर गली में उमड़ रहे हैं। इस बाजार में श्रीकृष्ण की पोशाकों और अन्य सामान के लिए थोक दुकानें हैं। जर्मन सिल्वर के बने चमकते हुए झूले की मांग काफी है। यह साढ़े सात हजार रुपये से शुरू हो रहा है।

कान्हा के लिए मखमली बिस्तर, सिंहासन, तकिया लोगों ने काफी खरीदा है। इसके अलावा हिंडोले की भी मांग रही। -सलोनी जैन, दुकान संचालक, लोहार गली, अमेरिकन डायमंड ज्वेलरी, डस्ट मार्बल की मूर्तियां, चश्मा, जूतियां, शीशा-कंघा, मोटर साइकिल, पतंग आदि की मांग रही।

जर्मन सिल्वर झूले की खासियत यह है कि न ये टूटेगा और न काला पड़ेगा। इसकी भी मांग रही। - मयंक मिश्रा, दुकान संचालक, मनकामेश्वर वाली गली

कान्हा जी को गर्मी से बचाने के लिए कूलर की खूब मांग रही। इसके अलावा चारपाई, शृंगार के लिए लड्डू गोपाल के केश, मुकुट की लोगों ने खरीदारी की। -दीपक, दुकान संचालक, मनकामेश्वर वाली गली

ये है कीमत

पलंग- 90 से 200 रुपये तकसोफा- 90 से 500 रुपये तक

डस्ट मार्बल की मूर्तियां- 250 से लेकर 530 रुपये तकअमेरिकन डायमंड ज्लेवरी- 980 रुपये तक

चश्मा, जूतियां, पतंग, साइकिल , मोटर साइकिल, कंघा- 50 रुपये में

चांदी के वर्क में गुलकंद, गिरी का खाएंगे पान

जन्माष्टमी पर कान्हा जी को भोग में पान भी चढ़ाया जाता है। इसलिए अभी से जन्माष्टमी के लिए गुलकंद, गीरी, कत्था, लोंग, चांदी के वर्क के पान की बुकिंग चल रही है। - नवीन दत्त, दुकान संचालक, मनकामेश्वर वाली गली

उम्मीद- संसद के विशेष सत्र में आएगा महिला आरक्षण विधेयक!, मोदी सरकार का चुनाव से पहले राजनीतिक पैंतरा

लखनऊ

केंद्र सरकार ने 18-22 सितंबर के बीच संसद का विशेष सत्र बुलाया है। इसका विस्तृत कार्यक्रम अब तक जारी नहीं किया गया है। लेकिन, विपक्षी दलों का मानना है कि लोकसभा चुनाव में अपना पलड़ा भारी करने के लिए भाजपा एक से अधिक विधेयक ला सकती है।

मोदी सरकार संसद के विशेष सत्र में महिला आरक्षण विधेयक ला सकती है। विपक्षी गठबंधन इंडिया के घटक दलों को इसकी आहट है और इस पर अपनी सार्वजनिक प्रतिक्रिया देने से पहले उन्हें आरक्षण के फॉर्मूले को सामने रखे जाने का इंतजार है।

हालांकि, उनका मानना है कि सत्ताधारी दल ने अपेक्षाकृत अधिक मतदाता संख्या वाले लोकसभा क्षेत्र में दो सदस्य (एक महिला व एक पुरुष) चुनने की व्यवस्था कर इस आरक्षण को लागू करने की पूरी तैयारी कर ली है।

केंद्र सरकार ने 18-22 सितंबर के बीच संसद का विशेष सत्र बुलाया है। इसका विस्तृत कार्यक्रम अब तक जारी नहीं किया गया है। लेकिन, विपक्षी दलों का मानना है कि लोकसभा चुनाव में अपना पलड़ा भारी करने के लिए भाजपा एक से अधिक विधेयक ला सकती है।

इनमें सबसे ज्यादा लोकलुभावन महिला आरक्षण विधेयक माना जा रहा है। इस बारे में इंडिया के घटक दलों के शीर्ष नेताओं ने मंथन शुरू कर दिया है। विपक्षी नेताओं को आशंका है कि सत्ताधारी दल सियासी लाभ के लिए अपने मुफीद कोई फॉर्मूला ला सकता है।

उपराष्ट्रपति के बयान से मिला बल

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के उस बयान से विशेष सत्र में महिला आरक्षण विधेयक लाए जाने की चर्चा को और बल मिला है, जिसमें उन्होंने कहा है कि वो दिन बहुत नजदीक है, जब संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को बराबर प्रतिनिधित्व मिलेगा।

के सीआर की बेटी ने सपा समेत 47 दलों से की समर्थन की अपील

बीआरएस नेता और तेलंगाना के सीएम केसी राव की बेटी कविता ने सपा समेत 47 राजनीतिक दलों को पत्र भेजकर अपील की है कि विशेष सत्र में लंबे समय से अटके महिला आरक्षण विधेयक को पारित कराने में मदद करें।

बता दें, यह बिल वर्ष 2010 में यूपीए सरकार ने राज्यसभा से पास करा लिया था, लेकिन क्षेत्रीय दलों के विरोध से लोकसभा में पास नहीं हो सका था। सपा, राजद समेत कई दलों का तर्क था कि महिला आरक्षण में भी ओबीसी व एससी-एसटी की महिलाओं को आरक्षण मिले, वरना इन सीटों पर सामान्य वर्ग ही काबिज हो जाएगा।

इंडिया के घटक दलों में सामने आ सकते हैं मतभेद

महिला आरक्षण के मुद्दे पर इंडिया के घटक दलों में मतभेद सामने आ सकते हैं। क्योंकि, कांग्रेस जहां महिला आरक्षण का पहले ही समर्थन कर चुकी है, वहीं इंडिया में शामिल कई क्षेत्रीय दलों की मांग है कि महिला आरक्षण के भीतर जातिगत आरक्षण मिलना चाहिए।

संसद के विशेष सत्र में महिला विधेयक लाए जाने की संभावना है। हम इस मामले में सरकार की ओर से आधिकारिक स्थिति स्पष्ट किए जाने के बाद ही अपना मत देंगे। चोर दरवाजे से अधिक सीटें हासिल करने की सत्ताधारी दल की किसी भी जुगत को सफल नहीं होने दिया जाएगा। - संजय लाठर, सपा नेता व पूर्व नेता प्रतिपक्ष, विधान परिषद

सम्पादकीय

रिसते रिश्तों की टीस

दिल्ली हाईकोर्ट की उस टिप्पणी से सहमत हुआ जा सकता है, जिसमें दहेज उत्पीड़न और दुष्कर्म के झूठे आरोप लगाने को घोर क्रूरता की श्रेणी में रखा गया। अदालत का मानना था कि ऐसे झूठे आरोप लगाने वालों को माफनहीं किया जा सकता। दरअसल, नौ साल से अलग रह रहे एक दंपति के मामले में पति द्वारा तलाक दिये जाने को अदालत ने तार्किक माना। अदालत का मानना था कि किसी भी वैवाहिक रिश्ते का आधार आत्मीय अहसास व दैहिक रिश्ते भी हैं। यदि किसी को साथ रहने से वंचित किया जाता है तो इस तरह के संबंधों का निर्वाह संभव नहीं हो सकता। यह विडंबना ही है कि हाल के वर्षों में वैवाहिक संबंधों में विच्छेद के तमाम मामले सामने आ रहे हैं। जिस समाज में विवाह के अलगाव के लिये कोई शब्द निर्धारित था ही नहीं, वहां तलाक के मामलों में अप्रत्याशित वृद्धि हमारी गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। भारतीय जीवनदर्शन में जहां वैवाहिक रिश्तों को जन्म-जन्मांतर का बंधन माना जाता था, उसमें रिश्तों का लगातार दरकना गंभीर चुनौती है। दरअसल, धीरे-धीरे हमारे समाज में आर्थिक समृद्धि की बयार आई तो रिश्तों में आत्मकेंद्रित होने का भाव मुखर हुआ। संयुक्त परिवारों की समृद्ध विरासत वाले भारतीय समाज में एकाकी परिवारों का चलन भी इस समस्या के मूल में है। जिसके चलते रिश्तों में सामंजस्य और सहभागिता का भाव तिरोहित होता चला गया। यही वजह है कि पहले घर के बड़े-बूढ़े जहां छोटी-छोटी बातों, वैचारिक मतभेद तथा किसी तरह की गलतफहमी को टाल देते थे, अब वे मामले घर की चहारदीवारी लांघकर पंचायत, परिवार अदालत व कोर्ट कचहरियों में दस्तक देने लगे हैं। अहमद्द के टकराव के चलते नौबत दहेज उत्पीड़न व दुष्कर्म के झूठे आरोपों तक जा पहुंचती है। विडंबना है कि जो कानून नारी अस्मिता व गरिमा की रक्षा व न्याय दिलाने के लिये बनाये गये थे, उनके दुरुपयोग की खबरें लगातार आती रही हैं। शीर्ष अदालत से लेकर देश की विभिन्न अदालतें इन कानूनों के दुरुपयोग पर लगातार चिंता जताती रही हैं।निस्संदेह, समाज में स्त्री-पुरुष की आजादी और अधिकारों का सम्मान किया ही जाना चाहिए। लेकिन जब हम परिवार संस्था के रूप में संबंधों का निरूपण करते हैं तो सहयोग,सामंजस्य व त्याग अपरिहार्य शर्त है। एक मां बच्चे के लिये तमाम तरह के त्याग करती है। पिता खून-पसीने की कमाई से उसका संबल बनकर बच्चे के भविष्य को संवारते हैं। तो ऐसा संभव नहीं है कि विवाह के उपरांत उनके दायित्वों से बेटा विमुख हो जाए। कहीं न कहीं नई पीढ़ी में वह धैर्य तिरोहित हो चला है जो रिश्तों के सामंजस्य की अपरिहार्य शर्त हुआ करता था। निस्संदेह, वैवाहिक रिश्तों में हर व्यक्ति को उसका स्पेस, आत्मसम्मान, आर्थिक आजादी और बेहतर भविष्य के लिये पढ़ने-लिखने का अवसर मिलना चाहिए। लेकिन यह परिवार की कीमत पर नहीं हो सकता। हम अपने परिवार में रिश्तों की कई परतों में गुंथे होते हैं। एक व्यक्ति पुत्र,पिता,भाई और पति की भूमिका में होता है। उसे सभी संबंधों में अपनी भूमिका का निर्वहन करना होता है। जाहिर है एक लड़का और लड़की दो अलग पारिवारिक पृष्ठभूमि और संस्कारों के बीच पले-बढ़े होते हैं। फिर एक परिवार में भी एक भाई व बहन के सोच-विचार और दृष्टिकोण भिन्न हो सकते हैं। भारतीय समाज में रिश्तों को सींचने की सनातन परंपरा सदियों से चली आ रही है। हम अपने माता-पिता के प्रति दायित्वों का निर्वाह करते हैं तो उससे संस्कार हासिल करके नई पीढ़ी उसका अनुकरण-अनुसरण करती है। यही सामाजिकता का तकाजा भी है। इन रिश्तों का निर्वाह एक-दूसरे के आत्मसम्मान और भावनाओं का सम्मान करते हुए ही संभव है। जैसे कहावत भी है कि पांचों उंगलियां बराबर नहीं होती, उसी तरह हर व्यक्ति दूसरे व्यक्ति से भिन्न हो सकता है। उसकी इस भिन्नता का सम्मान करना ही बेहतर रिश्तों की आधारभूमि है। निश्चित रूप से समय के साथ सोच, कार्य-संस्कृति, जीवन-शैली और हमारे खानपान-व्यवहार में बदलाव आया है। लेकिन मधुर व प्रेममय रिश्तों का गणित हर दौर में दो और दो चार ही रहेगा, वह पांच नहीं हो सकता। रिश्ते त्याग, समर्पण, विश्वास व एक-दूसरे का सम्मान करना मांगते हैं।

मराठा आरक्षण के मुद्दे पर भाजपा घिरी

रामलाल

महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण के मुद्दे ने जिस तरह तूल पकड़ लिया है, उससे एक बार फिर भाजपा सरकार की अक्षमता साबित हुई है। गौरतलब है कि इस महीने की शुरुआत में यानी 1 सितंबर को जालना के अंबाद तहसील के अंतरवाली सारथी गांव में मराठा आरक्षण की मांग पर हिंसा भड़क गई थी। आरोप है कि आरक्षण की मांग कर रहे प्रदर्शनकारी पुलिस से भिड़ गए और कथित तौर पर उन पर पथराव किया। पुलिस ने बाद में प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया और आंसू गैस का इस्तेमाल किया, जिसमें लगभग 20 प्रदर्शनकारी और 37 पुलिसकर्मी घायल हो गए। 15 से अधिक राज्य परिवहन बसों को आग लगा दी गई। पुलिस ने कहा कि हिंसा के सिलसिले में 360 से अधिक लोगों पर मामला दर्ज किया गया है।

भाजपा सरकार ने शायद इस बात की उम्मीद की थी कि बल प्रयोग के बाद मामला शांत हो जाएगा, लेकिन हुआ इसका उल्टा। अब मामला इतना बढ़ गया है कि गठबंधन सरकार के घटक दलों यानी भाजपा, शिवसेना, और एनसीपी अलग-अलग राह पर चल रहे हैं। और इनके अलावा मनसे के राज ठाकरे जैसे कुछ और किरदार इस मामले में अहम भूमिका में आने की कोशिश में दिख रहे हैं। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के लिए तो यह चुनौती है ही, साथ ही यह भाजपा नेतृत्व के लिए भी गंभीर संकट है, क्योंकि भाजपा शासित राज्यों में एक के बाद एक हिंसा की घटनाएं सामने आ रही हैं। मणिपुर के हालात अब तक संभले नहीं हैं। हरियाणा में नूंह की हिंसा के बाद माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है और सांप्रदायिक वैमनस्य की जो लकीर खींच दी गई है, वो न जाने कब मिटेगी। उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, असम जैसे राज्यों से वंचित समुदायों पर अत्याचार की खबरें जब-तब आती रहती हैं। कहा जा सकता है कि जिस डबल इंजन सरकार का दंभ प्रधानमंत्री मोदी कई मंचों से भरते आए हैं, उसमें खोखलेपन के सिवा कुछ नहीं है, क्योंकि लोकतंत्र में जनता द्वारा निर्वाचित सरकार की जवाबदेही जनता के प्रति हो, तो काम अच्छे से चलता है। लेकिन जब डबल इंजन कहकर उस पर पार्टी विशेष का ठप्पा लगाया जाता है, तो फिर हालात इसी तरह बेकाबू होते हैं, जैसे मणिपुर में हो चुके हैं और अब महाराष्ट्र में हो रहे हैं। मराठा आरक्षण की मांग महाराष्ट्र मंडल आयोग के बाद से ही उठनी शुरु हुई है। महाराष्ट्र की राजनीति में मराठा समुदाय का दबदबा रहा है, लेकिन मराठा शिक्षा और सरकारी नौकरी में भी अपने लिए आरक्षण की मांग करते रहे हैं। 2012 में मराठा आरक्षण की मांग ने तूल पकड़ा, तब राज्य में कांग्रेस-एनसीपी की सरकार थी और अगले चुनाव में उसे जीतना मुश्किल लग रहा था। पृथ्वीराज चव्हाण सरकार ने कांग्रेस नेता और मंत्री नारायण राणे की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई। कमेटी के सुझाव के आधार पर मराठा समाज को सरकारी नौकरियों में और शिक्षा संस्थाओं में 16 प्रतिशत आरक्षण मंजूर कर अध्यादेश भी जारी कर दिया। इसी कमेटी की सिफारिश पर मुसलमानों को भी 5 प्रतिशत आरक्षण की घोषणा की गई। लेकिन इसके बावजूद कांग्रेस एनसीपी अपनी सरकार नहीं बचा पाई। 2014 में राज्य में भाजपा-शिवसेना की सरकार बनी और देवेंद्र फड़णवीस मुख्यमंत्री बने। 2018 में फिर मराठा आरक्षण के लिए बड़ा आंदोलन हुआ था, इसके बाद महाराष्ट्र सरकार ने विधानसभा में विधेयक पारित किया और राज्य की सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थाओं में मराठाओं को 16 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान किया गया था। इस के खिलाफबॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका लगाई गई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने आरक्षण रद्द नहीं किया था। हालांकि, इसे घटाकर शिक्षण संस्थानों में 12 प्रतिशत और सरकारी नौकरियों में 13 प्रतिशत कर दिया। हाईकोर्ट ने कहा था कि अपवाद के तौर पर 50 प्रतिशत आरक्षण की सीमा पार की जा सकती है। इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी और 2021 में सुप्रीम कोर्ट ने मराठा आरक्षण के फैसले को असंवैधानिक बताते हुए रद्द कर दिया था। अब एक बार फिर मराठा समुदाय आरक्षण की मांग को लेकर सड़कों पर उतरा। लेकिन इस बार घटनाओं ने अप्रिय मोड़ ले लिया है। प्रदर्शनकारियों पर पुलिस का लाठीचार्ज गठबंधन वाली भाजपा सरकार पर भारी पड़ता दिख रहा है। हालात ऐसे हो गए हैं कि सरकार को हड़बड़ी में एक प्रेस कांफ्रेंस बुलाकर अपनी सफाई पेश करनी पड़ी। भाजपा खुद को आरक्षण की राजनीति के पीड़ित के तौर पर पेश करती दिख रही है। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि जालना में जो घटना हुई वह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण थी। कोई भी इस तरह की हिंसात्मक कार्रवाई का समर्थन नहीं कर सकता। हमने पहले कभी बल प्रयोग नहीं किया था। न ही अब करने का इरादा है। श्री फड़णवीस हिंसात्मक कार्रवाई को गलत बता रहे हैं, लेकिन पहले उन्होंने ही कहा था कि गांववालों ने लाठी चार्ज किया तो पुलिस को बलप्रयोग करना पड़ा। राज्य के उपमुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि यह भी दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस घटना का राजनीतिकरण किया गया। एक नैरेटिव सेट किया गया कि लाठीचार्ज का आदेश गृह मंत्री विभाग और मंत्रालय से दिया गया था। विरोधियों को भी पता है कि ऐसे आदेश एसपी और डिप्टी एसपी के स्तर से आते हैं। दरअसल कांग्रेस और उद्धव ठाकरे की शिवसेना से सवाल उठाए गए थे कि किसके आदेश पर लाठीचार्ज हुआ। अब श्री फड़णवीस इसका जिम्मा एसपी और डीएसपी पर डाल रहे हैं। उनसे पूछा जा सकता है कि क्या राज्य की पुलिस सरकार के नियंत्रण से परे है, जो स्वतंत्र रूप से इतना बड़ा फैसला ले ले।

जिस तरह मणिपुर में भाजपा सरकार अपनी जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ती रही है और कभी आंदोलनकारियों पर, कभी पुलिस पर हालात बिगाड़ने का इल्जाम लगता रहा है, वही टालमटोल का रवैया महाराष्ट्र में दिख रहा है। एक मुख्यमंत्री और दो-दो उपमुख्यमंत्रियों के रहते अगर लाठीचार्ज जैसे फैसलों की भनक सरकार को न लगे, तो क्या इसे सरकार की अक्षमता नहीं माना जाना चाहिए। बहरहाल इस मामले में कुछ अधिकारियों पर सरकार ने कार्रवाई की है और मुख्यमंत्री श्री शिंदे ने प्रदर्शनकारियों से कहा है कि हम मराठा आरक्षण और अदालत को समझाने के लिए आवश्यक अंतर्दृष्टि और दस्तावेजीकरण प्रदान करने की दिशा में काम कर रहे हैं।

खेत-खलिहान से

डा. के.के.पाठक, कृषि वैज्ञानिक

विगत कई अंकों से क्रमशः विभिन्न प्रकार के सागों का विवरण प्रकाशित हो रहा है। श्रृंखला में अब आगे...

चायनीज सरसों साग

यह सरसों सामान्य सरसों से अलग स्वाद के कारण काफी लोकप्रिय हो चुकी है। यह पहाड़ी क्षेत्रों में अधिक खाया जाता है परंतु कुछ वर्षों से पूरे देश में लोग खा रहे हैं। इसमें कैन्सर से लड़ने की अद्भुत क्षमता पायी गई है। ओमेगा 3, विटामिन ए, विटामिन ई, विटामिन सी ,विटामिन के, फैटी एसिड, फाईबर, फोलेट, मैगजीन और 3 एंटी आक्सीडेंट जैसे महत्वपूर्ण तत्व के जलनरोधी गुण के कारण काफी फायदेमन्द साबित हुई है। अस्थमा, हृदय एवं रजोनिवृत्ति के लक्षणों से पीड़ित लोगों के लिए चायनीज सरसों साग काफी लाभदायक सिद्ध हुआ है। इसमें ओमेगा 3 विटामिन के तथा फैटी एसिड पाये जाने के कारण सूजन से निदान मिल जाता है। इसमें मौजूद मैगजीन फेफड़े को ठीक रखने में सहायक होते हैं ।

परस्ले साग

यह विदेशी साग है जो सेहत के लिये काफी फायदेमंद होता है। यह प्रोटीन, कैलोरी, फाईबर, विटामिन ए, विटामिन सी, फोलेट, कैल्सियम का अच्छा स्रोत है। परस्ले साग खाने से हड्डियां मजबूत होती हैं जिससे हड्डी से सम्बंधित बीमारियों में आराम मिलता है। साथ ही एंटी बैक्टीरियल गुण की वजह से अनेक बिमारियों से राहत देता है। इसके खाने से शरीर में एंटी आक्सीडेंट की वृद्धि होती है, जिससे शरीर में प्रतिरोधक क्षमता का विकास होता है। यह हृदय रोग में लाभदायक पाया गया है। इस साग से पाचन तंत्र मजबूत होता है जिससे पेट सम्बंधी बीमारियों से बचाव होता है। इसी के साथ यह सूगर के स्तर को नियन्त्रित रखता है, फलस्वरुप मधुमेह के रोगियों के लिये रामबाण साबित हुआ है।

एग्रीकल्चर स्टूडेंट्स यूनियन के सदस्यों ने शिक्षको को किया सम्मानित

कानपुर (यूएनएस)। शिक्षक दिवस के अवसर पर एन एस यू आई के एग्रीकल्चर शाखा एग्रीकल्चर स्टूडेंट्स यूनियन के सदस्यों ने छात्र नेता सौरभ सौजन्य की अगुआई में चंद्र शेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय के शिक्षकों से मिलकर महापुरुषों की तस्वीरें भेंट कर सम्मान किया.इस दौरान सौजन्य ने कहा कि शिक्षक समाज के निर्माता होते हैं डॉक्टर वैज्ञानिक से भी बढ़कर शिक्षक हमें एक अच्छा इंसान बनने की प्रेरणा देते हैं प्रोफेसर विजय यादव ने कहा कि निरन्तर मेहनत करने का कोई विकल्प नही है सफलता का कोई शॉर्ट कट नही होता है।

मेरे गोपाल जी!

मेरे गोपाल जी तुम कितने अनुपम।
झूला तुम झूलो, देखें भर भर तुम्हें नयन।।

बाँकी चितवन तिरछे ये नयन,
सुनकर के मुरली की धुन,
मेरी तुमसे लगी लगन।

रूप तुम्हारा कितना प्यारा,
उसपर ये श्रृंगार है न्यारा,
चाँद उतरा ज्यों बीच भुवन।

नैनों में बस जाओ तुम,
मेरे संग-संग गाओ तुम,
जैसे कोयल गाये वन-वन।

क्या लुटाऊँ कैसे रिझाऊँ मैं,
बस हृदय में तुझे बसाऊँ मैं,
या लुट जाऊँ क्षितिज में इन्द्रधनुष बन।

चरण-कमल की करूँ वन्दना,
श्रीराधा के प्यारे प्रियतम,
बस तृण बन में स्पर्श करूँ
जहाँ हो तेरा मधुबन।

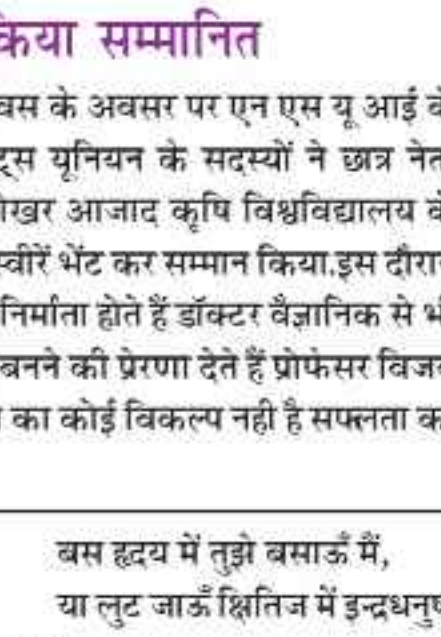

अर्चना गुप्ता, लखनऊ

चचा की चोट

राजनारायन वर्मा
पुनर्नवा, डी-1/16, सेक्टर-एच
जानकीपुरम, लखनऊ

आज बहुत दिनों बाद चचा दिखे. मैं छज्जे पर खड़ा था कि एक कैब घर के पास आकर रुकी. देखा कि उसमें से चचा निकल रहे हैं. चिंता मिश्रित आश्चर्य हुआ क्योंकि चचा अमूमन तो पैदल ही आते हैं. बकौल उनके कि दसियों जगह तो जाना होता है, घर से निकलो तो पचासों लोग तो सलाम करने, हाल पूछने, चुहुल करने को टकराते हैं तो कहाँ-कहाँ गाड़ी रोकें, खड़ी करें, उतरें, फिर बैठें, स्टार्ट करें और गेयर बदल कर उस पर से हाथ भी न हटाया कि कोई न कोई, 'बाह चचा ! ऐसे ही बिना मिले निकले जा रहे हैं !' कहता गाड़ी रोक ले - इससे तो पैदल भला. कैब से उतरते देख आश्चर्य हुआ था, चचा को चलते देख चिंता हुई. देखा चचा कमर पर दोनों हाथ धरे, बल्कि पीछे ऐसे टेके और लपक कर चलते हुए जैसे कमर को सहारा देकर ला रहे हों, चले आ रहे थे. देख कर चिंता हुई कि क्या हो गया चचा को.

तब तक पास आ चुके थे. बोले, फ्र ऊपर तो न आ पाऊँगा, या तो नीचे का कमरा खोलो या फिर चलो पार्क के मन्दिर में बैठते हैं, पंखा तो वहाँ लगा ही है.

अरे आप यहीं रुकें. मन्दिर में क्यों बैठना, नीचे का कमरा खोल रहा हूँ. कहता हुआ नीचे को चला.

चचा को तो आप जानते ही हैं. याद भले न हो किन्तु पहले भी मिल चुके हैं कई बार. इस बार बहुत दिन बाद आए हैं तो याद न आ रहा होगा. बता दूँ कि चचा जो हैं वो चचा की तीन प्रमुख श्रेणियों - चाचा बुजुर्गवार, चचा यार और चचा बर्खुरदार में से चचा यार श्रेणी के हैं. पहनावा पुराने लखनउव्वों का सा है - बुर्राक सफेद कुर्ता, अलीगढ़ी पायजामा और सर पर दुपल्ली टोपी और पैर में नागरा जूता, चप्पल, चमरौधा आदि में से कुछ पहनते हैं. पान खाते हैं. शायरी/ कविता की समझ है मगर इनसे परहेज़ करते हैं. बतरसिया हैं, मुरहे हैं, ऊटपटांग काम भी करते हैं, भाषा भी मनमौज़ी और लच्छेदार होती है. घण्टी-वण्टी (डोरबेल) न बजा कर ऐसी आवाज़ देते हैं कि आधा मोहल्ला जान जाए कि चचा फलां के यहाँ आये हैं. इनकी हाँक सुनकर कुछ लोग सचेत भी हो जाते हैं और कहलाने को तैयार कर देते हैं कि 'चचा सलाम. ये/ पापा तो घर पर हैं नहीं, बता कर नहीं गये कि कहाँ जा रहे हैं.' ये इसलिए कि चचा के आने पर घण्टे - दो घण्टे बाद तक वो काम तो हरगिज नहीं किया जा सकता जो कर रहे हों या करने कि सोच रहे हों, दिमाग़ का दही कर देते हैं.

चचा कमरे में दाखिल हुए तो ध्यान दिया कि मू तो वही था मगर चाल के साथ हुलिया भी बदला हुआ था. बजाय कुर्ता - पायजामा और टोपी के जींस और गोल गले की प्रिण्टेड टी शर्ट धारे थे. सर नंगा था और पैर में स्पोर्ट्स शू थे. ऐसी लपकती हुई चाल, मुह से 'हाय-आह, मर गया, अरे दादा रे' टाइप की कराह, बैठने में भी लगा कि कमर या उसके बालिश्त भर नीचे चोट लगी है. घबरा गया और हुलिया के बजाय हाल पूछा

चचा ! क्या हुआ ? कराह क्यों रहे हैं ? चोट-वोट लग गयी क्या ? चची से कोई बात तो नहीं !

अरे नहीं ! पैर धो रहे थे कि गिर पड़े और चोट लग गयी. फूटा-फाटा तो नहीं मगर दर्द है.

पैर धोने में गिर गये ! उसमें इतनी चोट ? अरे बहुत ऊँचे पर बैठे होंगे तो भी पीढ़े या बाथरूम वाली चौकी पर बैठे होंगे. उससे स्लिप हुए होंगे तो उसमें कैसे इतनी चोट ? कोई और बात है चचा जो बतलाने लायक नहीं है.

फिर वही बात ! कोई और बात नहीं और हमारे में छुपाने लायक ऐसा कुछ नहीं. हम तो पिछले दिनों फेसबुक कितौ मेटा को नोटिसौ नहीं दिए कि भई कर प्रकाशित जो करना है, ऐसा क्या कौन सा गेट काण्ड या 'मी टू' वाला कुछ किए बैठे हैं. और तुमसे क्या छुपाना ! वो कहे हैं ना, 'लालयेत पंचवर्षाणि दशवर्षाणि ताडयेत।प्राप्ते तु षोडशे वर्षे पुत्रं मित्रवदाचरेत्।।' तुम सोलह के तो हो गये हो ना कि अभी नहीं हुए ?

आप भी चचा ! तक्लीफ़ में हैं और बातें छौंक रहे हैं. अरे ! छोटी बिटिया भी उन्नीस की हो गयी है. सीधे से बताईए कि पैर धोने में इतनी चोट कैसे ? क्या रेलिंग पर बैठे पैर धो रहे थे ?

अरे नहीं, धो तो बाथरूम में ही रहे थे. वाश बेसिन में धो रहे थे :

वाश बेसिन में ! वाश बेसिन में कौन पैर धोता है ? क्या आपके पैर नट-बोल्ट से फिट हैं जो निकाल कर धो रहे थे ? बात काटते हुए हमने कहा.

हम धोते हैं वाश बेसिन में ! और आज से नही, बहुत दिन से धोते हैं. तब से, जब से हमारा पैर वाश बेसिन तक पहुँचना शुरू हुआ. होता ये है कि हम एक पैर उठा कर वाश बेसिन पर रख कर अच्छी तरह धोते हैं, दूसरा पैर फर्श पर रहता है. जब वह धुल जाता है तो उसे फर्श पर और दूसरा पैर वाश बेसिन पर रख कर धोते हैं. अभी परसों कि नरसों हुआ ये कि एक पैर तो वाश बेसिन पर था, वह धुल चुका तो ध्यान रहा नहीं और वापस उसको नीचे उतारे दूसरा पैर भी ऊपर रखने को उठा दिया. जब तक संभलें-संभलें कि धड़ाम से बिथर गये. आवाज़ सुनी तो चची ने, 'अब क्या तोड़ा ?' की आवाज़ लगायी. जवाब न मिलने पर आकर देखा तो हम पड़े थे. उठाया तो बाद में, पचास बातें पहले सुनायीं कि ऐसे भी कोई पैर धोता है. हज़ार दफा मना किया मगर मानते ही नहीं. उठा कर खड़ा किया तो गनीमत कि हड्डी-वड्डी नहीं टूटी.

बस इतनी सी बात है जिसका बतंगड़ बना रहे हो.

आप भी चचा ! करते तो अनोखे काम हैं. पिछले दिनों भी तो आपका होंठ ऐसे ही अनोखी हरकत में कट गया था. ज़रा फिर बताईये तो सब लोग सुनें.

अरे सुनाना क्या ! वो भी कोई अनोखा तरीका थोड़े न है बस तुम लोगों को लगता है.

अच्छा नार्मल तरीका ही सही. बताईये तो.

तो सुनो. आम का सीजन था. दशहरी आम तो हम चाकू से काट कर खाते हैं. हम क्या, सभी ऐसे ही खाते होंगे. तो चाकू से फांक काटते और उसी चाकू से मुह से धरते. अब गफ़्लत में हुआ यह कि धार वाला हिस्सा होंठ में फिर गया और खून निकलने लगा. हफ़्ता-दस दिन में ठीक भी हो गया. डॉक्टर भी ससुरा चुहुल कर रहा था कि इतना और ऐसा किसने काट लिया होंठ पर !

वो तो करेगा ही चुहुल. उसके भी तो चचा हैं आप और फिर करते भी ऐसा कुछ न कुछ रहते हैं कि लोग चुहुल करें. समझ में नहीं आता कि 'च्च च' करें कि मुह दबा कर हँसें कि खुल कर. अच्छा ! तुम भी ऐसा कहोगे! ब्रूटस तुमहू !! अब हम नहीं रुकने वाले, जाय रहे हैं. अब ऐसा करो कि ओला के ऊबर बुलाय देव, तुमरे साथ भी न जाएंगे, कहीं हँसते- हँसते गिरा देव तो! अब मैं क्या कहता. कुछ कहता तो चचा और बिदकते, तुनक कर कहीं पैदल ही न चल देते सो ऊबर बुक करने लगा।

आखिरी निवाला

अरे! यह क्या खटपट हो रही है? चैन से मुझे कोई सोने भी नहीं देता!

शुभ बुदबुदाते हुए तकिए से अपने कान को ढक लिया। सुबह के छह बज रहे थे.. रसोई घर में माँ नाश्ते की तैयारी कर रही थी। वह इस बात से बेखबर थी कि उसके बड़े बेटे ने क्या बुदबुदाया। उसे तो आठ बजे तक सारा नाश्ता तैयार करने की जल्दबाजी थी। तनिक भी देर हुई तो आशु फिर भूखे पेट चला जाएगा। शुभ इस घर का बड़ा बेटा था और आशु यानी कि आशुतोष छोटा। घर में प्यार से उसे सब आशु आशु कहते हैं। मैं अकेले क्या-क्या करूं? मां ने गीला तौलिया उठाते हुए धीरे से कहा? तभी बाहर घंटी बजी....

मां देखो! शायद कोई आया है? आशु ने बाल बनाते हुए कहा।

और कौन होगा! इतनी सुबह तुम्हारे पापा ही होंगे। उनको कोई काम रहता है? रोज सवेरे चार बजे उठकर बस सैर करने चले जाते हैं।

मां आंचल से हाथ पोछते हुए दरवाजे की ओर बढ़ती है। राय साहब बड़े ही प्रेम से अपनी पत्नी को निहारते हैं और फलों से भरा थैला हाथ में थमाते हुए कहते हैं। देखो कितने ताजे आम हैं, बड़े ही सस्ते दाम में निपटा लिया मैंने!

आप भी ना! आपको तो कोई ठग ले! कल्याणी ने झिड़कते हुए कहा।

हाँ.. हाँ जैसे तुमने ठग लिया है। कहते हुए राय साहब जोरों से हँस पड़े।

अच्छा सुनो! जरा अपने हाथों से बनी बढ़िया चाय तो पिला देना। राय साहब ने आदेश देते हुए कहा। रुको ज़रा! अभी मुझे बच्चों के लिए नाश्ता तैयार करना है। कहते हुए कल्याणी रसोई घर में चली गई और चूल्हे पर चाय का बर्तन चढ़ा दिया।

कल्याणी छोटी-छोटी बातों पर राय साहब को टोक जरूर देती थी और मौका मिलते ही राय साहब भी चूकते नहीं थे। कभी खाने के स्वाद को लेकर, कभी घर की साफ-सफाई को लेकर वो अक्सर कल्याणी को सुझाव देते रहते थे। शुभ अभी तक सोया हुआ था। बिस्तर पर करवट लेते हुए किसी भी तरह से बस चैन से सोना चाहता था पर उसे नींद नहीं आ पा रही थी। वो बिस्तर से उठ गया और उठते ही उसने कहा, पिताजी कितनी बार कहा है मुझे नौ बजे तक चैन से सोने दिया कीजिए। मेरी नींद पूरी नहीं हो पाती। मैं रात के एक बजे तो ऑफिस से लौटा हूं। आप लोगों को मेरी ज़रा भी परवाह नहीं है। एक कमरा और बनवा ही लेते तो क्या बुरा हो जाता? पर आप हैं कि हमेशा पैसों का रोना रोते रहते हैं। आखिर आप अपनी पेंशन का क्या ही करते हैं! कहते हुए शुभ दरवाजे के बाहर चला गया। आशु यह सब चुपचाप बस देख रहा था। माँ रसोईघर से बाहर निकली और राय साहब को समझाने लगी, कितनी बार कहा है... दरवाजा धीरे से खटखटा दिया करो। घंटी बजाने की क्या जरूरत थी! आखिर बेचारा ठीक ही तो कह रहा है। इतनी मेहनत वो करता है।

और मैं! क्या मुझे परिवार की चिंता नहीं? राय साहब ने सहमते हुए कहा। तुम हमेशा अपने बच्चों की तरफदारी करती रहो। बुढ़ापे में कोई काम नहीं देने वाला। ये कहते हुए राय साहब दूसरे कमरे में चले गए।

घर में दो कमरे और एक बैठकी थी। शुभ को अक्सर घर आने में देर हो जाती थी इसलिए वो देर से ही जागता था। आशु को इन सब बातों से कोई लेना-देना नहीं था उसे बस अपना काम दिखता था। जो मिल जाए, जैसा भी मिल जाए वो एडजस्ट करना जानता था। आज खाने में भिंडी की सब्जी बनी थी माँ ने बड़े ही प्रेम से शुभ के लिए थाली सजाई। सब्जी देखते ही शुभ झल्ला उठा, कितनी बार कहा है माँ मुझे भिंडी नहीं पसंद है। आप कुछ और बना देती।

माँ ने समझाया और कहने लगी, अरे बेटा! खा लो.. बहुत अच्छी सब्जी बनी है।

शुभ इतनी ज़ोर से बोल रहा था कि राय साहब से रहा नहीं गया और वह बीच में ही बोल उठे, क्या बुराई है इसमें, जो मिला है खा लो। खाते समय इतना गुस्सा ठीक नहीं।

मां रसोई से दही का कटोरा लेते हुए आई और थाली में रखते हुए कहने लगी, अच्छा जितना मन है उतना ही खा लो। दही देखते ही शुभ और चिढ़ गया और कहने लगा, अब ये क्यों रख दिया आपने? मुझे नहीं खानी मेरा गला खराब हो जाएगा। राय साहब का गुस्सा सातवें आसमान पर था वो कुछ कहते उससे पहले ही कल्याणी ने उन्हें अन्दर जाने का इशारा कर दिया।

सुबह के ग्यारह बज चुके थे पति और दोनों बेटों को ऑफिस भेज कर कल्याणी एक कप चाय लेकर सोफे पर बैठ गई। अभी चाय की एक घूंट भी नहीं ली थी कि दरवाजे पर दस्तक आन पड़ी, दूध वाला ... माँ जी दूध ले लीजिए। कल्याणी ने चाय की प्याली रखते हुए आवाज दी, आती हूं. रसोई घर से बर्तन लाकर दूध लेने लगी। बहुत गर्मी है, कहीं दूध खराब ना हो जाए। यह सोचते हुए, उसने दूध का बर्तन गैस पर चढ़ा दिया। सावधानी हटी दुर्घटना घटी! कल्याणी पंद्रह मिनट तक दूध को एकटक निहारती रही और अपनी बीते दिनों को याद करने लगी, कितनी कम उम्र में मेरी शादी हो गई थी! आज इस घर को चलाते चलाते 25 साल गुजर चुके थे। एक पल के लिए उसकी नजर इधर-उधर हुई.. दूध ऊपर आने ही वाला था, तभी झट से उसने गैस बंद कर दिया। चाय ठंडी हो चुकी थी। कल्याणी ने बची हुई चाय को फेंक दिया और फिर काम में लग गई। यह रोज की बात थी। ठंडी चाय ठंडा खाना.. क्या फर्क पड़ता है! शुभ और आशु दोनों को पनीर बहुत पसंद है। राय साहब बस मन रखने को खा लेते थे। राय साहब को फोन पर पनीर लाने की सूचना शाम को ही दी जा चुकी थी। कल्याणी ने रात के खाने में पनीर और पुलाव बनाया।

रात के नौ बज रहे थे। सभी की थाली परोसी जा चुकी थी। शुभ और आशु बड़े ही चाव से पनीर और पुलाव खा रहे थे। मां पनीर की सब्जी बहुत ही स्वादिष्ट है। शुभ ने कहा। आशु ने भी हां भरी।

राय साहब रात में रोटी खाना पसंद करते हैं। कल्याणी गरम-गरम रोटी सेंकती और उनकी थाली में परोस जाती। बस.. बस! मेरा हो गया। अब मैं नहीं खाऊंगा। राय साहब ने अपने पेट पर हाथ फेरते हुए कहा।

एक और ले लीजिए कल्याणी ने रसोईघर से ही आवाज लगाई। नहीं... नहीं। एक बार कह दिया ना मेरा हो गया। मैं जा रहा हूँ अब आराम करने, बहुत थक गया हूं। शुभ और आशु भी खाने की मेज पर से उठ चुके थे। वह दोनों भी कमरे में चले गए। रसोई घर साफ हो चुकी थी। बर्तन धुल चुके थे। कल्याणी ने सवेरे के लिए राजमा भिगो दिया।

बची हुई रोटियां थाली में रख थोड़ी सी सब्जी ली और वो कमरे में अपना खाना लेकर आ गई। उसने देखा कि

-डॉ. सोनी,
बावन बीघा, मुजफ्फरपुर
सम्पर्क - 8757051280

राय साहब सो चुके थे। एक दो बार उसने आवाज लगाई, सो गए क्या? उत्तर न पाकर वह चुपचाप बैठकर खाना खाने लगी। कल्याणी को अपना अकेलापन खल रहा था। वह सोच में पड़ गई, कितना भरा-पूरा परिवार है। इस हंसते-खेलते परिवार में किसी चीज की कमी नहीं। पर फिर भी वह क्यों अकेली है? इस घर में उसे समझने वाला कोई न था। दिन भर का शोर, रात के सन्नाटे में शून्य सा हो गया था।

शून्य हो चुकी थी सारी भावनाएं जिस खाने की तारीफ थोड़ी देर पहले हो रही थी। कल्याणी को वही खाना बेस्वाद सा क्यूँ लग रहा था? कल्याणी का पहला निवाला ही आखिरी निवाला क्यूँ बन चुका था? कल्याणी भारी मन से खाना खा रही थी कुछ सोचते हुए कल्याणी ने थाली को उठाया। वह रसोई घर की ओर चल पड़ी।

अब नहीं खाया जाएगा मुझसे! आंचल के कोर से अपने आंसुओं को पूछते हुए थाली को वहीं रख दिया। रसोई घर की बत्ती बुझा दी और कमरे में सोने चली गई। चारों तरफ अंधेरा ही अंधेरा था और यहीं अंधेरा उसके जीवन में भी प्रवेश कर चुका था।

अधिवक्ताओं ने हड़ताल कर डीजीपी व मुख्य-सचिव का फूंका पुतला

उन्नाव (यूएनएस)। हापुड़ में वकीलों पर हुए पुलिस लाठीचार्ज मामले के विरोध में उन्नाव में कई दिन से वकील आंदोलित हैं। इसी क्रम में मंगलवार को अधिवक्ता हड़ताल पर रहे। बार काउंसिल के निर्देश पर अधिवक्ताओं ने न्यायिक कार्य से विरत रहते हुए न्यायालय के बाहर सड़क पर डीजीपी ओर मुख्य सचिव का पुतला फूंक कर विरोध जताया है। अधिवक्ताओं ने कहा कि हापुड़ की घटना के लिए जिम्मेदार अधिकारियों का स्थानांतरण और लाठीचार्ज करने वाले पुलिस कर्मियों पर एफआईआर दर्ज की जाए। उन्नाव बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं ने मंगलवार न्यायिक कार्य नहीं किया। कार्य बहिष्कार करते हुए उन्होंने हापुड़ में अधिवक्ताओं पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में धरना दिया। बार एसोसिएशन अध्यक्ष रामसुमेर सिंह, महामंत्री अजय गौतम व अन्य वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने एक दिन पहले डीएम कार्यालय में सीएम को संबोधित करते हुए ज्ञापन दिया था। बार एसोसिएशन अध्यक्ष रामसुमेर सिंह ने कहा कि उनकी मांग है कि पूरे प्रदेश में अधिवक्ताओं पर जो झूठे मुकदमे लिखे गए हैं। उन्हें वापस लिया जाए। प्रदेश में एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू किया जाए। इसके अलावा हापुड़ में पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज में जो अधिवक्ता घायल हुए हैं। उन्हें सरकार की ओर से मुआवजा भी दिया जाए। बार एसोसिएशन अध्यक्ष ने यह भी कहा कि अधिवक्ताओं की समस्या के निस्तारण के लिए बार काउंसिल आफउत्तर प्रदेश के सदस्यों से वार्ता भी की जाए।

अधिवक्ताओं के कार्य से विरत रहने पर टली सुनवाई

कानपुर देहात (यूएनएस)। चर्चित बलवन्त सिंह हत्याकांड में आरोपी तत्कालीन मैथा चौकी इंचार्ज ज्ञान प्रकाश पाण्डे व तत्कालीन एसओजी आरक्षी दुर्वेश कुमार के जमानत प्रार्थना पत्रों में अधिवक्ताओं की हड़ताल के कारण सुनवाई नही हो सकी।वह जानकारी वादी पक्ष से पैरवी कर रहे अधिवक्ता जितेन्द्र प्रताप सिंह चौहान ने दी।जितेन्द्र चौहान ने बताया कि आरोपी ज्ञान प्रकाश पाण्डे के जमानत प्रार्थना पत्र में अगली सुनवाई की तिथि 12 सितम्बर व आरोपी दुर्वेश कुमार के जमानत प्रार्थना पत्र में 8 सितम्बर की तिथि नियत की गई है।बताया कि केस व आरोपियों के जमानत प्रार्थना पत्रों की सुनवाई अपर जिला जज प्रथम चन्द्रशेखर की न्यायालय में चल रही है।

महिला की मौत मामले ने पकड़ा तूल

रायबरेली (यूएनएस)। जिले में संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत का मामला सामने आया है। इसके बाद मायके वालों ने ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया है। और जमकर हंगामा कटा है। सिविल लाइन चौराहे पर शव को रखकर प्रदर्शन किया गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले को शांत करवाया है।

परिजनों का आरोप है कि ससुराल वालों ने करंट लगाकर हत्या कर दी है। पूरा मामला ऊंचाहार कोतवाली क्षेत्र के गणेशगंज मजरे इटौरा का है। जहां की रहने वाली आरती जिसकी उम्र लगभग 30 साल बताई जा रही है। सुबह घर पर बिजली के बोर्ड में कूलर लग रही थी। इस दौरान वह करंट की चपेट में आ गई। जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गई। जैसे ही इसकी सूचना परिजनों को मिली आनन फानन परिजन उसे लेकर जगतपुर सीएससी पहुंचे। जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौत के बाद पर परिजनों में कोहराम मच गया। इसकी सूचना मृतका के मायके वालों को मिली तो मायके वालों ने हंगामा काटना शुरु कर दिया।

और करंट लगाकर जान से मारने की बात कही। बता दे की देर शाम जिला मुख्यालय पर शॉप का पोस्टमार्टम होने के बाद परिजन सिविल लाइन चौराहा पहुंचे परिजनों ने लखनऊ प्रयागराज हाईवे पर सिविल लाइन चौराहे के पास विवाहिता का शव रखकर सड़क जाम लगाने का प्रयास किया। मृतक आरती के भाई संजय यादव ने आरोप लगाया कि उनकी बहन की दहेज के खातिर हत्या कर दी गई।

लोक चौपाल में चन्द्रयान और जन्माष्टमी पर परिचर्चा

कान्हा ने माई से मांगा चन्द्र खिलौना

लखनऊ। लोक संस्कृति शोध संस्थान द्वारा आयोजित लोक चौपाल में वक्ताओं ने चन्द्रयान के सफल प्रक्षेपण के लिए इसरो के वैज्ञानिकों को बधाई दी और लोक में व्याप्त चन्द्रमा से जुड़े रोचक प्रसंगों पर अपने विचार रखे। गत रविवार (3 सितम्बर) को इन्दिरा नगर स्थित ईश्वरधाम मन्दिर परिसर में हुई चौपाल की अध्यक्षता संगीत विदुषी प्रो. कमला श्रीवास्तव ने की। वरिष्ठ लोक गायिकायें पद्मा गिडवानी एवं विमल पन्त आदि की उपस्थिति में भगवान कृष्ण पर आधारित सांगीतिक प्रस्तुतियों में कान्हा ने मैया यशोदा से चन्द्र खिलौना की मांग की और मैया ने थाली में जल भरकर चन्द्र प्रतिबिम्ब दिखाया।

विषय प्रवर्तन करते हुए लोक संस्कृति शोध संस्थान की सचिव सुधा द्विवेदी ने कहा कि चन्द्रमा पर बुढ़िया माई के होने, चन्द्रमा को मामा कहने, चन्द्रदेव की आराधना आदि की सुदीर्घ परम्परा लोक विश्रुत रही है। भारत ने चन्द्रमा के दक्षिण ध्रुव पर अपना यान सफलतापूर्वक उतार कर अन्तरिक्ष जगत में अपनी मेधा का परचम फहराया है। संगीत अध्येता एवं गायिका सौम्या गोयल ने श्रीकृष्ण को चन्द्र की सोलह कलाओं से युक्त पूर्ण अवतार बताते हुए सोलह कलाओं के बारे में बताया। आशुतोष कृष्णा ने कृष्ण लीला के विविध प्रसंगों पर चर्चा की।

चौपाल में कृष्ण भजनों की मनमोहक प्रस्तुतियां हुईं। वरिष्ठ लोक गायिका पद्मा गिडवानी ने नाचे नन्दलाल नचावें वाकि मैया, कुमाऊं कोकिला विमल पन्त ने भादो मास अंधियारी जन्मे कृष्ण मुरारी ना, नेहा प्रजापति, स्नेहा प्रजापति और स्मिता पाण्डेय ने बिरज में बाजत आज बधाई पर मनमोहक नृत्य किया। अन्तरा भट्टाचार्य के निर्देशन में अव्युक्ता, शीर्षा, अविका, मिहिका, कर्णिका, गुनाश्री आदि ने समवेत स्वर में कृष्ण भजनों की मनोहारी प्रस्तुति दी। मधु श्रीवास्तव ने ऐसे पनघट पे नैना लड़ी श्याम से, अंजलि सिंह ने मचले जायें श्याम कनिया से, रचना गुप्ता ने आज जन्मे हैं कुंवर कन्हैया हो ना, अर्चना गुप्ता ने मेरे गोपाल जी तुम कितने अनुपम, शशि वर्मा ने भज ले रे मना गोपाल गुना, सरिता अग्रवाल ने यशोमति मइया से बोले नंदलाला, कविता सिंह सक्सेना ने कृष्ण जन्म लिए जेल की कोठरिया में, देवेश्वरी पंवार ने चलो रे मन गंगा जमुना तीर, लक्ष्मी जोशी ने बाजी बाजी बधाई झनकार, प्रियंका दीक्षित ने प्रभु फिर लीला करत जमुना के तीरे, चित्रा जायसवाल ने आज जन्मे हैं, रेखा अग्रवाल ने पटकी मेरी पटकी माखन मटकी, केजीएमयू नेत्र रोग विभाग की पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. विनीता श्रीवास्तव ने एक बार फिर कन्हैया अवतार लो धरा पर, सुषमा प्रकाश ने यशोदा के भये नन्दलाल, शारदा पाण्डेय और गीता शुक्ला ने सोने के कटोरिया में दूध भात, एस.एन.सिंह ने नंद द्वारे, नीरा मिश्रा ने अरे कान्ह लिहिन अवतार जसोदा जी के अंगना, इन्दू सारस्वत ने नंद घर आनंद भयो जय कन्हैया लाल की, संगीता खरे ने हमारे मुरली वाले श्याम बधैया बाजे सुनाया। ज्योति किरन रतन एवं भूषण अग्रवाल ने मनमोहक नृत्य किया। इस अवसर पर सर्वश्री राजनारायण वर्मा, मीनाक्षी अग्रवाल, दिलीप श्रीवास्तव, इंजी. दिनेश श्रीवास्तव, भजन गायक गौरव गुप्ता, शशांक शर्मा, अखिलेश त्रिवेदी शाश्वत, संगीतज्ञ निवेदिता भट्टाचार्य सहित अन्य मौजूद रहे।

तीन करोड़ में की अवैध प्लाटिंग ध्वस्त

लखनऊ (यूएनएस)। अवैध निर्माण के खिलाफ एलडीए का अभियान जारी है। मंगलवार को काकोरी इलाके में तीन बीघा क्षेत्रफल में चल रहे अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त किया गया। बताया जा रहा है कि मौजूदा रेट के हिसाब से करीब 3 करोड़ रुपए की प्लाटिंग की गई थी। इसको लेकर नक्शा भी पास नहीं था। एलडीए वीसी के आदेश के बाद यह अभियान तेज किया गया। प्रवर्तन जोन-3 के जोनल अधिकारी देवांश त्रिवेदी ने बताया कि वीरपाल व अन्य द्वारा काकोरी में मोहन रोड पर हरदोई मोड़ से आगे ग्राम-गदायी खेड़ा में लगभग 3 बीघा क्षेत्रफल में अवैध रूप से प्लाटिंग का कार्य कराया जा रहा था। प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृत कराए बिना की जा रही इस अवैध प्लाटिंग के विरुद्ध विहित न्यायालय द्वारा वाद योजित करते हुए ध्वस्तीकरण के आदेश पारित किए गए थे। अभियान के दौरान सहायक अभियंता वाईपी सिंह के नेतृत्व में अवर अभियंता भरत पाण्डेय, भानु प्रताप वर्मा प्राधिकरण पुलिस व स्थानीय थाने के पुलिस बल के सहयोग से अवैध प्लाटिंग के ध्वस्तीकरण की कार्यवाही कराई गई। इस दौरान स्थल पर विकसित की गयी सड़कें, नाली, बाउन्ड्रीवॉल व साइट ऑफिस आदि को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया।

एग्रीकल्चर स्टूडेंट्स यूनियन के सदस्यों ने शिक्षको को किया सम्मानित

कानपुर (यूएनएस)। शिक्षक दिवस के अवसर पर एन एस यू आई के एग्रीकल्चर शाखा एग्रीकल्चर स्टूडेंट्स यूनियन के सदस्यों ने छात्र नेता सौरभ सौजन्य की अगुआई में चंद्र शेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय के शिक्षकों से मिलकर महापुरुषों की तस्वीरें भेंट कर सम्मान किया.इस दौरान सौजन्य ने कहा कि शिक्षक समाज के निर्माता होते हैं डॉक्टर वैज्ञानिक से भी बढ़कर शिक्षक हमें एक अच्छा इंसान बनने की प्रेरणा देते हैं प्रोफेसर विजय यादव ने कहा कि निरन्तर मेहनत करने का कोई विकल्प नही है सफलता का कोई शॉर्ट कट नही होता है यूनियन के सदस्यों ने सीएसए के अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ सी एल मौर्य को तथागत बुद्ध की प्रतिमा भेंट की।

आनलाईन हाजिरी आदेश से पंचायतीराज सफाई कार्मिकों में नाराजगी

आनलाईन हाजिरी आदेश वापस न हुआ तो आन्दोलनः नरेन्द्रपाल

लखनऊ (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश ग्राम पंचायत राज सफाई कर्मचारी संघ ने निदेशक पंचायत राज, मिशन निदेशक स्वच्छ भारत मिशन द्वारा सफाई कर्मचारियों के लिए आन लाइन हाजिरी वाले आदेश पर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि काफी संख्या में ग्राम पंचायत में कार्यरत सफाई कार्मिक के पास एन्ड्राइड फोन नही है। कुछ लोग चलाना नही जानते, काफी दिव्याग ऐसी तमाम दिक्कते है।

इसलिए ऐसा आदेश नैसार्गिक नही है, अतः इसे तत्काल निरस्त किया जाए। प्रदेश अध्यक्ष नरेन्द्र पाल ने कहा कि अगर उक्त आदेश निरस्त नही किया जाता तो 11 नवम्बर को बैठक कर आन्दोलन की घोषणा की जाएगी। उन्होंने बताया कि निदेशक पंचायत राज,मिशन निदेशक स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण लखनऊ के द्वारा पत्रांकरू 6/4581/2023-6/232/2023 लखनऊ, 10 अगस्त 2023 के क्रम में मुख्य सचिव, की अध्यक्षता में 15वें वित्त आयोग के अन्तर्गत गठित उच्च स्तरीय अनुश्रवण समिति की आयोजित बैठक हुई थी। बैठक के कार्यवृत्त पत्रांकरू 33-3010(99) 2/2023-3-1/324306/2023 में 26 मई की कार्यवाही के बिन्दु संख्या-3 में उल्लिखित है कि ग्राम पंचायतों में तैनात 1,08,000 सफाई कर्मचारियों की उपस्थिति ऑनलाइन अटैन्डेन्स सिस्टम के माध्यम से लागू किये जाने के निर्देश समस्त जिलाधिकारी एवं समस्त जिला पंचायत राज अधिकारी को सफाई कर्मियों का मोबाइल नम्बर, तैनाती का राजस्व ग्राम आदि की जानकारी पोर्टल पर 15 सितबर 2023 तक फीड करने के आदेश दिये गये हैं। इस आदेश से उ.प्र. में तैनात ग्राम पंचायत सफाई कर्मचारियों में रोष व्याप्त है। उ.प्र. ग्राम पंचायत राज सफाई कर्मचारी संघ के नरेन्द्र पाल सिंह प्रदेश अध्यक्ष,राकेश चौधरी प्रदेश महामंत्री व प्रान्तीय कार्यकारिणी व समस्त मण्डलीय,जनपदीय कार्यकारिणी द्वारा विरोध जताते हुए बताया गया कि 24 मई 2023 द्वारा अपर मुख्य सचिव, पंचायती राज द्वारा एक तरफ तो सफाई कर्मियों की शैक्षिक योग्यता साक्षर मानते हुए पदोन्नति नहीं की गई। एकल पद मानते हुए सेवानियमावली नहीं बनायी गयी है। वहीं दूसरी तरफऑनलाइन अटैन्डेन्स सिस्टम करने के निर्देश दिये गये हैं। जबकि अधिकतर कर्मचारियों के पास एन्ड्राइड फोन भी नहीं हैं। जिनके पास हैं वह चलाना भी नहीं जानते हैं। काफी संख्या में सफाई कर्मी में दिव्यांग, दृष्टिबाधित एवं महिला कर्मचारियों के साथ-साथ अन्य कर्मचारियों की नियुक्ति 10 से 50 किमी ?की दूरी पर की गई है। जिनके बीच में नदी नाले हैं। अधिकतर कर्मचारी अन्य जगह पर कार्य कर रहे हैं जिसमें सफाई कर्मियों की ड्यूटी गर्मियों में सुबह 7.00 बजे से दोपहर 2.00 बजे तक, सर्दियों में सुबह 8.00 बजे से दोपहर 3.00 बजे तक है। जबकि ग्राम पंचायत सचिवालय खुलने का समय प्रातः 10.00 बजे हैं। ऐसी स्थिति में ऑनलाइन अटैन्डेन्स उपस्थिति लगाया जाना सम्भव नहीं है।

अधिवक्ताओं ने फूंका डीजीपी मुख्य सचिव का पुतला

सीतापुर (यूएनएस)। जिले में बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के आह्वान पर बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं ने हापुड़ की घटना को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया।प्रदर्शन के दौरान अधिवक्ताओं ने आज न्यायालय परिसर में ही यूपी पुलिस के मुखिया डीजीपी और मुख्य सचिव का पुतला जलाकर विरोध प्रदर्शन किया।

हापुड़ में अधिवक्ताओं पर पुलिस द्वारा लाठी चार्ज के मामले में अधिवक्ता लगातार आंदोलन कर रहे हैं। यूपी में लगातार हो रही अधिवक्ताओं पर आपराधिक वारदातों को लेकर अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की मांग की है।इसके साथ ही हापुड़ के डीएम और एसपी को हटाने की मांग संबंधी विभिन्न मुद्दों को लेकर एक दिन पूर्व मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन डीएम अनुज सिंह को सौंपा था। हापुड़ में अधिवक्ताओं पर पुलिस द्वारा लाठी चार्ज कर उन्हें घायल करने। हापुड़,गाजियाबाद में हुई अधिवक्ताओं के साथ घटनाओ को लेकर बार काउंसिल ऑफउत्तर प्रदेश में हापुड़ प्रशासन के खिलाफमोर्चा खोल दिया है।पिछले कई दिनों तक अधिवक्ता न्यायिक कार्य ठप कर अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे है। सड़क से लेकर न्यायालय परिसर और कलेक्ट्रेट में अधिवक्ताओं ने हल्लाबोल लगातार जारी रखा है। मुख्यमंत्री को ज्ञापन भी अपनी मांगों को लेकर सौंपा लेकिन अभी तक अधिवक्ता हड़ताल पर हैं। मंगलवार को बार एसोसिएशन में अधिवक्ताओं की बैठक के बाद निर्णय लिया गया कि मुख्य सचिव और डीजीपी का पुतला दहन किया जाएगा। बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं ने न्यायालय परिसर में ही नारेबाजी कर कंधों पर मुख्य सचिव और डीजीपी के पुतले को लाकर जमीन पर फेंका। इसके बाद अधिवक्ताओं ने पेट्रोल डालकर दोनों पुतलों को आग के हवाले कर दिया। अधिवक्ताओं का कहना है कि हापुड़ के डीएम-एसपी को सरकार तत्काल हटाते हुए दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफमुकदमा दर्ज करें और साथ ही अधिवक्ताओं की सुरक्षा के लिए एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू किया जाए।

जिला अस्पताल में दवाओं का अकाल, मरीज बेहाल

सीतापुर। तमाम संक्रामक बीमारियों की प्रकोप के बीच जिला अस्पताल में दवाओं का संकट खड़ा हो गया है। तीन दिन से पेट दर्द, एंटी एलर्जी व खांसी का सिरप ही नहीं है। रोजाना 300 से 400 मरीज वापस लौट रहे हैं या फिर बाहर से दवाएं खरीदने को मजबूर हैं।

जिले में इस समय वायरल का प्रकोप है। अस्पताल आने वाले अधिकतर मरीज बुखार, उल्टी दस्त, सरदर्द से परेशान हैं। मंगलवार को ओपीडी में करीब 3100 मरीज इलाज के लिए पहुंचे। अब मरीजों को दवा भी मिलना मुश्किल हो रहा है। अपने बेटे की दवा लेने आई उर्मिला ने बताया कि कई दिनों से खांसी आ रही है। काउंटर पर गई तो बताया कि सिरप नहीं है, अब बाहर से खरीदूंगी। सौरभ ने बताया कि पेट दर्द का इलाज कराने आए थे। कुछ दवाएं अंदर मिली हैं तो कुछ बाहर से खरीदनी पड़ रही हैं। पेट दर्द की दवा बाहर से खरीद कर घर जा रहा हूं।

जिला अस्पताल में दवा काउंटर के पास दवाओं का बोर्ड लगाया था। इस बोर्ड पर अस्पताल में मौजूद दवाओं के नाम व उनकी उपलब्धता अंकित की जाती है। लेकिन यह बोर्ड मंगलवार को टूटा हुआ जमीन पर कूड़े के पास मिला। इससे अस्पताल आने वाले मरीज दवाओं की जानकारी के लिए भटकते रहे। वहीं दवा काउंटर के पास ही प्रभारी का कमरा है। इस कमरे में ताला पड़ा होने से मरीजों को कोई जानकारी नहीं हो सकी।

शीबा ने राधिका बन मंदिर में रचाई शादी, मुस्लिम युवती ने कहा- हिंदू धर्म में महिलाओं का सम्मान

सीतापुर। अलग-अलग समुदाय का होने के कारण एक युवती ने अपना नाम बदल लिया और हिंदू रीति-रिवाज से शादी की। इस मौके पर मौजूद महिलाओं ने गीत गाए। एक प्रेमी जोड़े ने मंदिर में ब्याह रचाया। युवती ने अपना नाम बदल लिया। थाना मानपुर के पकरिया गांव निवासी रामू का गांव की ही शीबा से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। दोनों के अलग-अलग समुदाय के होने के कारण परिजन शादी के लिए राजी नहीं थे। धर्म की परवाह किए बिना दोनों मंगलवार को खैराबाद के भुइयां ताली तीर्थ स्थल पर पहुंचे और बंगलामुखी मां मंदिर में जाकर हिंदू रीति-रिवाज के साथ शादी की। तीर्थस्थल पर मौजूद महिलाओं ने विवाह गीत भी गाए। पुजारी ने विधि-विधान से विवाह संपन्न कराया। शीबा ने अपना नाम बदलकर राधिका रख लिया।

उसने कहा कि हिंदू धर्म में महिलाओं का सम्मान है। यहां महिलाओं को किसी कुरीति का सामना नहीं करना पड़ता है। एसओ मानपुर अरविंद कटियार ने बताया कि एक सप्ताह पूर्व थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। विवाह की जानकारी उन्हें नहीं है।

संदिग्ध हालात में खेत में मिला दिव्यांग का शव

हरदोई (यूएनएस)। जिले में एक गांव के बाहर खेत में दिव्यांग का संदिग्ध हालात में शव मिला। वहीं मृतक के भाई ने कच्ची शराब पीने से मौत होने की बात कही है। पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना टड़ियावां क्षेत्र के गांव बोझवां मजरा नारायनपुर ग्रांट निवासी 55 वर्षीय रामभजन प्रजापति पुत्र सीताराम का दोपहर में संदिग्ध अवस्था में शव गांव के बाहर सोनपाल के खेत में पड़ा मिला है। शव के पास कच्ची शराब की पन्नी पड़ी मिली है। वहीं मृतक के छोटे भाई रामसिंह ने बताया कि मृतक रामभजन दोनों हाथों से दिव्यांग थे। कच्ची शराब पीने का आदी था और खेती किसानी का काम करता था। रात में खेत पर गौपाशुओं से फसल बचाने के लिए प्रतिदिन खेत पर आता था। सुबह चार बजे वह भाई को छोड़कर हरदोई मजदूरी करने गया था। दोपहर में सूचना मिली की उसका भाई खेत में बेहोश पड़ा हुआ है। कुछ देर बाद सूचना मिली की उसके भाई की मौत हो गई है। जब वह खेत पर पहुंचा तो उसके शव के पास कच्ची शराब की पन्नी पड़ी हुई थी। जिसे पुलिसकर्मी उठाकर ले गए हैं। मृतक के दो पुत्र एवं तीन पुत्रियां हैं। पुत्रियों की शादी हो चुकी है। एक पुत्र की भी शादी हो गई है। दोनों पुत्र बाहर मजदूरी करते हैं। वहीं घटना की सूचना पाकर क्राइम इंस्पेक्टर टड़ियावां हरिनाथ सिंह, उप निरीक्षक धीरेंद्र यादव ने मौके पर जांच पड़ताल की। ग्रामीणों के मुताबिक जिस खेत में रामभजन का शव मिला है, उसके कुछ दूरी पर बेरिहाना गांव है, जिस गांव में कई लोग बड़े पैमाने पर कच्ची शराब निकालने और बेचने का काम करते हैं।

जद कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन

रायबरेली (यूएनएस)। जिले में जनसत्ता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष व विधायक कुंडा प्रतापगढ़ रघुराज प्रताप सिंह राजा भैया की छवि को एक निजी चौनल द्वारा धूमिल करने के आरोप लगाकर पार्टी कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया है। लोकदल कार्यकर्ता जिला अधिकारी कार्यालय पहुंचे। कार्यकर्ताओं ने कहा कि राजा भैया की छवि को धूमिल करने का प्रयास किया जा रहा है। आपसी मामले को लेकर चौनल पर खबर चलाई गई। इसी बात को जन सत्ता दल ने जोरदार आक्रोश दिखा और चौनल बंद करने की मांग की जा रही है। सैकड़ों जनसत्ता दल के कार्यकर्ताओं ने सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपा है। कहा कि उत्तर प्रदेश की विधानसभा के सम्मानित सदस्य पूर्व मंत्री एवं एक शानदार विधायक के रूप में राष्ट्रीय पटल पर अपनी सेवा नीति को रखा। जिसके फलस्वरूप वो लगातार कुंडा से विधायक बने।

पुलिस की गाड़ी में डंपर ने मारी टक्कर, दरोगा समेत 3 पुलिसकर्मी घायल

उन्नाव (यूएनएस)। लखनऊ-कानपुर नेशनल हाईवे पर सोहरामऊ थाना पुलिस भोर पहर पेट्रोलिंग कर रही थी। पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार डंपर ने पुलिस के वाहन में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने वाहन क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार दरोगा समेत तीन कर्मी घायल हो गए। एक्सीडेंट की सूचना पर आगे तैनात पुलिस ने डंपर को पकड़ लिया और घायल पुलिसकर्मियों को उपचार के लिए सीएचसी में भर्ती कराया।

अब तक 43119 ग्राम पंचायतों में लगी ग्राम चौपाल

ग्राम चौपालो से संवरते गांव सुधरता जीवन: उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि गांव चौपालों के आयोजन से गांव विकास की योजनाओं के क्रियान्वयन में हलचल तेज हुई है और गांवों के संवरने के साथ ही ग्रामीणों का जीवन स्तर सुधर रहा है, सरकार खुद चलकर गांव व गरीबों के पास जा रही है, ग्राम चौपालों से जहां गांवों में चल रही विभिन्न परियोजनाओं की जमीनी हकीकत का पता चलता है, वहीं सोशल सेक्टर की योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आ रही है, यही नहीं जिन समस्याओं के निराकरण के लिए ग्रामीणों को तहसील, जिला या राजधानी जाना पड़ता था, उनका समाधान उनके अपने गांव में ही हो जा रहा है। प्रदेश में प्रत्येक शुक्रवार को प्रत्येक विकासखण्ड की 2 ग्राम पंचायतो में आयोजित की जा रही ग्राम चौपालों के उत्साहजनक परिणाम निखर कर सामने आ रहे हैं। प्रदेश में शुक्रवार को ग्राम चौपालो का आयोजन कर जहां लोगों की समस्याओं को समझा और सुलझाया जा रहा है, लाभार्थीपरक योजनाओं सहित विकास व निर्माण कार्यों की जमीनी हकीकत को भी परखा जा रहा है ।ग्राम्य विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार 6जनवरी से अब तक प्रदेश की 43119ग्राम पंचायतों में ग्राम चौपालो का आयोजन किया जा चुका है,जिनमें 32लाख से अधिक ग्रामीण मौजूद रहे और 2लाख 17हजार से अधिक समस्याओं प्रकरणों का निस्तारण किया गया ।उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ग्राम्य विकास विभाग के उच्चस्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि ग्राम चौपालो को और अधिक भव्य स्वरूप दिया जाय।

डा.राधाकृष्णान का पूरा जीवन एक सन्देश: केशव प्रसाद

लखनऊ (यूएनएस)। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने आज कैम्प कार्यालय में महान दार्शनिक, शिक्षाविद व विचारक डा सर्वपल्ली राधाकृष्णान के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किये। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि डा सर्वपल्ली राधाकृष्णान की जयंती को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है।उनके जीवन दर्शन पर प्रकाश डालते हुए श्री मौर्य ने कहा कि उनका पूरा जीवन ही एक सन्देश है। उनका जीवन दर्शन आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था में सुधार व उत्थान के लिए बहुत ही अनुकरणीय कार्य किये। उनके विचारोंसे समाज को, खासतौर से युवा पीढ़ी को प्रेरणा मिलती है। उप मुख्यमंत्री श्री मौर्य ने शिक्षक दिवस के अवसर पर देश व समाज के निर्माण में शिक्षकों के योगदान की चर्चा की।कहा कि शिक्षक केवल शिक्षा ही नहीं देते, बल्कि समाज को सही दिशा देने में अहम् भूमिका निभाते हैं। समाज ने शिक्षकों को सम्मान व श्रद्धा के साथ विशेष स्थान देने का कार्य किया। उप मुख्यमंत्री ने शिक्षकों का आह्वान किया और अपील भी की, कि शिक्षक बच्चों को उन लोगो के बारे में बतायें, जिन्होंने संघर्ष से तपकर, जमीन से जुड़कर सफलता प्राप्त की, कहा कि छात्रों को इतिहास व संस्कृति के बारे में जानने के लिए प्रेरित करें, प्रोत्साहित करें।

राजकीय व निजी आईटीआई में प्रवेश हेतु करें आवेदन

लखनऊ (यूएनएस)। विशेष सचिवव्यावसायिक शिक्षा कौशल विकास और उद्यमशीलता व अधिशासी निदेशक, एससीवीटी अभिषेक सिंह ने बताया कि राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद, उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा प्रदेश में चल रहे राजकीय व निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों आईटीआई में सत्र 2023 के तृतीय चरण चयन सूची से 31 अगस्त तक प्रवेश की कार्यवाही पूर्ण कर ली गयी है। पूर्व निर्धारित प्रवेश प्रक्रिया 2023 के अनुसार तृतीय चरण प्रवेश प्रक्रिया के उपरान्त परिणामी रिक्त सीटों के सापेक्ष पूर्व पंजीकृत राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के अभ्यर्थी से नवीन विकल्प पंजीकृत कराने तथा राजकीय एवं निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों हेतु नवीन आवेदनकर्ताओं से एससीवीटी की वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन 06 सितम्बर की सुबह से 08 सितम्बर की रात्रि 12 बजे तक आमंत्रित किया गया है। प्रवेश प्रक्रिया के संबंध में सभी प्रधानाचार्य, राजकीय व निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों को निर्देशित किया गया है कि संस्थान में रिक्त सीटों की व्यवसायवार स्थिति की सूचना सार्वजनिक सूचना पट पर प्रदर्शित रखेंगे ।अधिशासी निदेशक एससीवीटी ने बताया कि तृतीय चरण प्रवेश के उपरान्त अवशेष सीटों की सूचना जनपदवार, संस्थानवार, व्यवसायवार, पाठ्यक्रमवार एससीवीटी की वेबसाइट पर अथवा जनपद के राजकीय व निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के प्रधानाचार्य व कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

टैक्स लायर्स एसोसिएशन लखनऊ का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

लखनऊ (यूएनएस)। टैक्स लायर्स एसोसिएशन लखनऊ के सत्र 2023-24 की कार्यकारिणी का चुनाव सम्पन्न हुआ, जिसमें सभी पदाधिकारी निर्विरोध निर्वाचित हुए, जिनका शपथ ग्रहण समारोह 'राज्य कर भवन' के सभागार (षष्ठम तल), 5 मीराबाई मार्ग, लखनऊ में आज सायं 4.00 बजे सम्पन्न हुआ ।समारोह के मुख्य अथिति श्री जानकी शरण पाण्डेय दृ सदस्य एवं पूर्व चेयरमैन बार काउन्सिल ऑफउ0प्र0 द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन के उपरांत नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को उनके पद एवं गोपनीयता की शपथ निम्नवत् दिलाई गई। अध्यक्ष उमेश चन्द्र शुक्ला, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राकेश कुमार गुप्ता उपाध्यक्ष दीपक कुमार श्रीवास्तव, महासचिव सरोश इकबाल शम्सी,

संयुक्त सचिव राजेश कुमार सिंह,वित्त सचिव आशीष कुमार त्रिपाठी,पुस्तकालय सचिव आशीष यादव,वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य पुनीत रोहतगी,वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य विपुल तिवारी, सदस्य कार्यकारिणी मानस गुप्ता, सदस्य कार्यकारिणी रिषभ रोहतगी, कार्यक्रम का संचालन एसोसिएशन के वरिष्ठ सदस्य अनुपम कुमार द्वारा किया गया। कार्यक्रम को वरिष्ठ अधिवक्ता एम.सी. गुप्ता जी, बी.बी. श्रीवास्तव जी, जयराम श्रीवास्तव व एसोसिएशन कई अन्य वरिष्ठ अधिवक्ताओं द्वारा संबोधित किया गया। इसके अतिरिक्त नवनिर्वाचित अध्यक्ष उमेश चन्द्र शुक्ला द्वारा कार्यक्रम के मुख्य अथिति महोदय को प्रतीक चिन्ह देकर उनका सम्मान किया गया, एवं श्री शुक्ला द्वारा अधिवक्ता हितों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्धता जताते हुए कार्यक्रम के मुख्य अथिति बार काउंसिल ऑफ उ0प्र0 के सदस्य व पूर्व चेयरमैन श्री जानकी शरण पाण्डेय जी को कर अधिवक्ताओं की प्रमुख समस्या अधिवक्ता व्यवसाय में अनाधिकृत व्यक्तियों के प्रवेश पर रोक लगाए जाने व बार काउन्सिल ऑफ उ.प्र. द्वारा सर्टिफिकेट ऑफ प्रैक्टिस के सम्बन्ध में निर्धारित नियम व शर्तों में शिथिलता बरते जाने का अनुरोध किया गया प् श्री शुक्ला द्वारा बताया गया कि जी.एस.टी. व इनकम टैक्स की प्रैक्टिस पूरी तरह से ऑनलाइन हो जाने के कारण वकालतनामा प्रस्तुत किए जाने के सम्बन्ध में अनिवार्यता लगभग समाप्त कर दी गई है। इस कारण आदेशों पर अधिवक्ता का नाम प्राय: नही रहता है। अत: कर अधिवक्ता प्रत्येक वर्ष का वकालतनामा, आदेश प्रस्तुत करने में प्राय: असमर्थ रहता है क्योकि ऑनलाइन कार्य हेतु इनकम टैक्स व जी.एस.टी. विभाग द्वारा भी इस सम्बन्ध में अलग से कोई लॉग-इन-आई-डी नहीं दिया गया है, जिससे कि कर अधिवक्ता अपना सी.ओ.पी. नम्बर, एनरोलमेंट नम्बर डालकर कार्य कर सकें तथा अपना प्रतिनिधित्व प्रमाणित करा सकें।

हिन्दू महासभा ने की उदयनिधि स्टालिन के खिलाफमें पुलिस में शिकायत

लखनऊ (यूएनएस)। अखिल भारत हिन्दू महासभा, उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी ने आज हजरतगंज कोतवाली में शिकायती पत्र देकर सनातन धर्म को लेकर विवादित टिप्पणी करने वाले तमिलनाडु के मंत्री उदयनिधि स्टालिन के मुकदमा दर्ज कड़ी कानूनी कार्यवाही की मांग की है। आज शाम लगभग चार बजे हिन्दू महासभा के प्रदेश अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी सहित कई प्रमुख पदाधिकारियों के साथ हजरतगंज कोतवाली पहुंचे जहां वहां शिकायती-पत्र सौंपा। और धारा 295क और 298 एवं अन्य आईपीसी के अन्तर्गत मुकदमा दर्ज कर कड़ी कानूनी कार्यवाही की मांग की। इस शिकायती पत्र पर कोतवाली के सीओ ने इस मामले की जांच कर कार्यवाही करने का आश्वासन दिया। शिकायती पत्र देने पहुंचे हिन्दू महासभा, उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी के साथ राष्ट्रीय प्रवक्ता शिशिर चतुर्वेदी, प्रदेश प्रवक्ता बाबा महादेव, विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष शैलेन्द्र श्रीवास्तव, सिद्धार्थ दुबे, प्रदेश महामंत्री, डा. प्रशान्त कुमार चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष, ओम शुक्ला, जिला अध्यक्ष लखनऊ, मोहित लोधी युवक जिला अध्यक्ष लखनऊ, शिवम वर्मा, जिला अध्यक्ष बाराबंकी सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

अनियंत्रित ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौत

तिर्वा। मैनपुरी से दवा लेकर ठठिया से वापस जा रही महिला की सड़क हादसे में मौत हो गई। वह जिस बाइक पर सवार थी, उसे एक अनियंत्रित ट्रैक्टर ने रौंद दिया। हादसे में मौत की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जा रहा है कि जनपद मैनपुरी के नगलाभिवानी गांव निवासी किशन कुमार की पत्नी प्रीति (30) मंगलवार की सुबह देवर अनुज के साथ ठठिया थाना क्षेत्र के सरौली गांव मे दवा लेने आई थी। दवा लेकर घर जाते समय वह लोग जैसे ही इंदरगढ़ थाना क्षेत्र के सुखी पुल के पास पहुंचे तभी पीछे से आ रहा तेज रफ्तार ट्रैक्टर अनियंत्रित हो गया। टक्कर लगने से बाइक गिर पड़ी।

निर्बाध विद्युत आपूर्ति के सामने आ रही चुनौतियों से निपटना होगा-शर्मा

कार्य संस्कृति एवं चाल-चरित्र में बदलाव लाएं कार्मिक, पहले चोरी कराओ, बाद में कार्यवाही करो, यह प्रवृत्ति बंद हो, उपभोक्ताओं का उत्पीड़न करने के बजाय तत्काल पहुंचाए राहत

लखनऊ (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने कहा कि विद्युत कार्मिक अपनी कार्य संस्कृति एवं चाल चरित्र में बदलाव लायें और उपभोक्ताओं की परेशानियों को तत्काल दूर करने का प्रयास करें। प्रदेश की विद्युत व्यवस्था में सुधार हेतु अच्छा इन्फ्रास्ट्रक्चर के साथ कार्मिकों का अपने कार्यों के प्रति ईमानदार होना और समस्याओं को दूर करने के लिए त्वरित प्रयास हों, यह भी जरूरी है। उपभोक्ताओं का उत्पीड़न करने के बजाय, उन्हें तत्काल राहत पहुंचाने का प्रयास करें।

शिकायतों का त्वरित संज्ञान लें और गुणवत्तापूर्ण ढंग से इनका समाधान करें। विद्युत कार्मिकों की बदौलत प्रदेश की 28 हजार से अधिक मेगावाट की विद्युत मांग को भी सकुशल पूरा किया गया। विद्युत के क्षेत्र में जो कार्य गत 60 वर्षों में नहीं हो सका उसे विगत 5-6 वर्षों के भीतर ही पूरा किया गया। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा आज नगरीय निकाय निदेशालय में पावर कारपोरेशन लि और विद्युत वितरण निगमों के कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने विजनेस प्लान से संबंधित कार्यों, राजस्व वसूली, नगरीय निकायों के विस्तारित व नवसृजित क्षेत्रों में किये जा रहे विद्युत संबंधी कार्य, फीडरों की ट्रिपिंग में कमी लाने की रणनीति तथा विद्युत दुर्घटनाओं को रोकने के लिए किए गए प्रयासों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि बिजली जीवन की मूलभूत आवश्यकता बन गई है। सबकुछ बिजली पर निर्भर हो गया है। एक मिनट के लिए बिजली का जाना अब बर्दाश्त नहीं होता।

बिजली न जाए इसके लिए व्यवस्था एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर में सुधार करना होगा। आधुनिक तकनीक का प्रयोग कर इस व्यवस्था को और मजबूत बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि कोई भी अपनी जिम्मेदारी से भाग नहीं सकता ऊर्जा मंत्री ने कहा कि उपभोक्ताओं के गलत व अनंगल बिलिंग को रोकना होगा। मिलीभगत करके बिलिंग में सुधार की जाने वाली कोशिशों एवं ऐसे गोरखधंधे को बंद करना होगा।

खासतौर से ग्रामीण उपभोक्ताओं को ट्रस्ट बिलिंग करने के लिए बढ़ावा दें। उपभोक्ता स्वयं अपने मीटर की फोटो भेजकर बिलिंग बनवायें, ऐसे प्रयोग को बढ़ाएं। कनेक्शन डायरेक्ट या बाईपास करने के बजाय उपभोक्ता के खराब मीटर को समय पर बदलें। उन्होंने सख्त हिदायत दी की समझाने-बुझाने का अब समय नहीं रहा। अब गड़बड़ी पर सख्त कार्यवाही की जायेगी। अधिशासी अभियन्ता, अवर अभियन्ता द्वारा अपने आदमियों, एजेन्सियों व दलालों के माध्यम से की जा रही वसूली स्वीकार्य नहीं। बेहतर विद्युत आपूर्ति के लिए सभी ट्रांसफार्मर का समय पर मेन्टिनेंस किया जाए, इससे ट्रांसफार्मर की कार्यक्षमता बढ़ेगी।

शहरी क्षेत्रों में 24 घण्टे में तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 48 घण्टे में ट्रांसफार्मर बदलने की समयसीमा का कड़ाई से अनुपालन कराया जाए। उन्होंने जर्जर व लटकते हुए तारों व पोल को ठीक करने के साथ विपरीत परिस्थितियों में फ्यूज और जम्प्स उड़ने की समस्याओं का तत्काल संज्ञान लें। फीडरों की ट्रिपिंग को कम करने की रणनीति पर कार्य किया जाए।

महकमा प्राइमरी एजूकेशन, तबादले के बाद भी शिक्षकों का समायोजन नही

बीएसए के यहां दे रहे हाजिरी

लखनऊ (यूएनएस)। प्रदेश में शिक्षकों की संख्या 4.53 लाख और प्रदेश में प्राथमिक विद्यालयों की संख्या 1.36 लाख है। प्रदेश के प्राथमिक विद्यालयों में पढ़ रहे छात्रों की संख्या 1.91 करोड़ है। बेसिक शिक्षा परिषद क विद्यालयों में शिक्षकों के स्थानांतरण का आदेश तो जून में जारी कर दिया गया पर अभी तक तमाम शिक्षकों का समायोजन नहीं हो सका है। ऐसे हजारों शिक्षक हैं, जो स्थानांतरण के बाद भी अभी तक आदेशों के जाल में फंसकर नई जगह पर तैनाती नहीं पा सके हैं। दूसरी तरफ बेसिक शिक्षा विभाग प्रदेश भर में हर विद्यालय को निपुण विद्यालय बनाने की कवायद शुरू कर रहा है लेकिन विभाग के शिक्षकों के तबादले व मेडिकल की सुविधा की प्रक्रिया अधर मे हैं। स्थानांतरण आदेश के लिए शिक्षक जुलाई अगस्त के महीना में कई बार धरना प्रदर्शन कर चुके हैं पर इसके बाद भी उनकी सुनवाई नहीं हो रही है।बेसिक शिक्षा विभाग के विद्यालयों में शिक्षकों की पदोन्नति की प्रक्रिया के बाद उन्हें स्थानांतरण की प्रक्रिया से गुजारा था।बेसिक विद्यालयों में शिक्षकों की पदोन्नति की प्रक्रिया फरवरी 2022 में शुरू हुई थी,अब तक प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी है।एक दशक से हो रही पदोन्नति प्रक्रिया से शिक्षक पहले ही काफी उम्मीद थी लेकिन उनकी उम्मीदों पर अधिकारियों ने पानी फेर दिया है। शिक्षकों ने उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक से लेकर महानिदेशक स्कूल शिक्षा विजय किरन आनंद तक से मुलाकात कर अपनी बात रखी है। बेसिक शिक्षा विभाग में जून के अंतिम सप्ताह में प्रदेश भर के 16614 शिक्षकों का स्थानांतरण कर दिया गया था। स्थानांतरण पाए कई शिक्षकों को कार्य मुक्त करने से रोक दिया गया।इसमें सामान्य शिक्षक ही नहीं वह शिक्षक भी शामिल है जो कैंसर या अन्य किसी गंभीर बीमारी से ग्रसित है और उन्होंने स्थानांतरण की मांग की थी।

मेरठ के विकास कार्य हेतु 3.37 करोड़ रूपये अवमुक्त

लखनऊ (यूएनएस)। राज्य सरकार द्वारा शहरों के बाईपास रिंग रोड फ्लाई ओवर निर्माण के चालू योजना के अन्तर्गत जनपद मेरठ में एन0एच0-58 से सकौती, मण्डौला, नगला राठी होते हुये साधू नगली अस्पताल तक लम्बाई 5.78 कि0मी0 बाईपास मार्ग का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य हेतु 03 करोड़ 37 लाख 20 हजार की धनराशि का आवंटन किया गया है। जारी शासनादेश में निर्देशित किया गया है कि आवंटित धनराशि का उपयोग अंकित परियोजनाओं पर ही मानक विशिष्टियों के अनुरूप एवं वित्त विभाग

कौशल किशोर के घर पर हुई हत्या मामले की न्यायिक जांच हो

लखनऊ (यूएनएस)। कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अजय राय ने केन्द्रीय राज्यमंत्री कौशल किशोर के आवास पर हाल में हुई एक युवक की हत्या मामले की न्यायिक जांच कराने की मांग की है। उन्होंने प्रेस वार्ता में प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी सरकार को हर मोर्चे पर नाकाम करार देते हुए आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में पूरी तरह ''जंगलराज कायम है। अजय राय ने हाल में केन्द्रीय अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री कौशल किशोर के लखनऊ स्थित आवास पर एक युवक की गोली मारकर हत्या किए जाने का जिक्र करते हुए कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि एक मंत्री के घर पर हत्या हो गई और सरकार मंत्री के बेटे को बचाने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि यही वजह है कि पुलिस मामले में सिर्फ ''खानापूर्ति कर रही है। उन्होंने कहा, ''हम मांग करते हैं कि इस मामले में मंत्री के बेटे के खिलाफसाजिश रचने के आरोप में मुकदमा दर्ज हो और प्रकरण की किसी सेवारत न्यायाधीश से जांच कराई जाए। गौरतलब है कि 31 अगस्त की देर रात ठाकुरगंज थाना क्षेत्र के बेगरिया गांव में केंद्रीय राज्य मंत्री कौशल किशोर के आवास पर विनय श्रीवास्तव नामक युवक की हत्या हुई थी। जांच में पता चला कि जिस पिस्तौल से श्रीवास्तव को गोली मारी गई, वह मंत्री कौशल किशोर के बेटे विकास किशोर की थी। पुलिस ने इस मामले में श्रीवास्तव के दोस्त अंकित वर्मा, अजय रावत और शमी को गिरफ्तार किया है। पुलिस का कहना है कि यह हत्या जुआ खेलने के विवाद को लेकर हुई थी। हालांकि, पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि मंत्री के बेटे की पिस्तौल मौके पर कैसे पहुंची। इस बारे में मंत्री कौशल किशोर का दावा है कि वारदात के वक्त उनका बेटा घर पर मौजूद नहीं था। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि इससे पहले लखीमपुर खीरी जिले में किसानों को कार तले रौंदने के मामले में केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा 'टेनीश् के बेटे आशीष को भी बचाने की कोशिश की जा चुकी है।

दो दिन में 932 को मिला रोजगार

सीतापुर। सीतापुर शिक्षण संस्थान में दो दिवसीय रोजगार मेले में मंगलवार को 471 विद्यार्थियों को विभिन्न कंपनियों में रोजगार मिला। सेवायोजन कार्यालय सीतापुर के सहयोग से लगे मेले के दूसरे दिन सीतापुर, हरदोई, लखीमपुर व अन्य जिलों से 1,286 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इसमें 471 अभ्यर्थी चयनित हुए। जिला रोजगार सहायता अधिकारी अमित कुमार ने बताया कि बीटेक, पालीटेक्निक, बीफार्मा व आईटीआई के छात्र चयनित हुए। दो दिनों में 2,830 अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया। 932 अभ्यर्थी चयनित हुए हैं।

जनवीणा

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सुधा द्विवेदी द्वारा प्रिंट आर्ट आफसेट, 33 कैण्ट रोड, लखनऊ से मुद्रित तथा प्रथम तल, कैपिटल सिनेमा बिल्डिंग, विधानसभा मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ-226001 उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।

सम्पादक- सुधा द्विवेदी
कार्यकारी सम्पादक
डॉ. एस.के.गोपाल
प्रबंध सम्पादक
होमेन्द्र कुमार मिश्र
क्रिएटिव एडिटर
नैमिष सोनी
विशेष संवाददाता
सौरभ कुमार पाण्डेय
संवाददाता
जादूगर सुरेश कुमार
सम्पर्क : 9451532641, 8765919255

ईमेल :janveenanews@gmail.com

RNI No. UPHIN/2011/43668

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।